

जब होगा योग, यज्ञ और ध्यान । तभी बनेगा यह भारत महान ।



यज्ञ से उत्पन्न

विभिन्न गैसों के वायुमंडल में आने पर

प्रकाश रासायनिक अभिक्रिया

(Photochemical process) द्वारा

Indoor एवं outdoor दोनों ही स्तरों पर

हानिकारक गैसों जैसे कि

CO₂, SO₂, और NO₂ पदार्थ
(harmful particles)

जैसे कि

PM 2.5, PM 10 और RSPM के स्तरों में
आश्चर्यजनक रूप से कमी आती हैं।

अयं यज्ञो भुवनस्य नाभिः । -ऋग्. 1.164.35 यह यज्ञ भुवन का केंद्र है।